कालाडेरा फैक्टरी हादसा : तीन और मजदूरों की अस्पताल में मौत

हादसे में 19 लोग घायल हुए थे, अब तक चार मजदूरों ने दम तोड़ा

चौमूं/कालाडेरा, (निंस)। कालाडेरा में लोहा ढलाई फैक्टरी के बॉयलर (भट्टी) में गत दिनों ब्लास्ट हुआ था। हादसे में 19 मजदूर झुलस गए थे, जिनमें से 8 मजदूरों का गंभीर हालत में जयपुर के एस. एम. एस अस्पताल में इलाज चल रहा था।

गुरुवार को एक मजदूर सुरेश जाट निवासी हाथनोदा की उपचार के दौरान मौत हो गई थी। वहीं शनिवार देर रात को दो मजदूर विनोद कुमार गुलिया (31) पुत्र सुवालाल गुलिया निवासी जैतपुरा चौमू, बबलू कुमार यादव (28) पुत्र जयप्रकाश यादव निवासी कोहलीखल थाना बरहरगंज जिला गोरखपुर उत्तर प्रदेश व रविवार को एक मजदूर चौथूराम पुत्र हरदेव निवासी खोराबिसल थाना मुरलीपुरा जयपुर की इलाज के दौरान मौत हो गई। अब तक हादसे में कुल चार मजदूरों की मौत हो चुकी है। वहीं 4 मजदूरों का अभी भी एस. एम. एस अस्पताल के बर्न वार्ड में इलाज चल रहा है। जैसे ही मजदूरों की मौत की जानकारी मिली तो गोविन्दगढ़ डीवाईएसपी राजेश जांगिड़ व पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने एस. एम. एस अस्पताल पहुंचे और मृतक के परिजनों को ढांढस बंधाया और अन्य घायलों की भी कुशलक्षेम जानी व मुख्यमंत्री से परिवार जनों को हर संभव मदद का भरोसा दिलाया।

जयपुर के एसएमएस अस्पताल पहुंचकर पूर्व विधायक रामलाल शर्मा व गोविन्दगढ डीवाईएसपी राजेश जांगिड़ ने जानकारी ली।

चौमूं एसडीएम दिलीप सिंह राठौड़ ने बताया कि चौमूं उपखण्ड के कालाडेरा रीको मे स्थित लोहा ढलाई फैक्टरी में बॉयलर (भट्टी) फटने से जो हादसा हुआ था उसमें अब तक 4 मजदूरों की मौत हो चुकी है। इन मजदूरों के परिवार को पूर्व मृतक मजदूर के परिवार को आर्थिक सहायता के लिए पैकेज दिया गया था वो पैकेज इन मृतकों के परिवार को भी मिलेगा। वहीं जिन लोगों का आयुष्मान योजना में नाम नहीं है उनका सर्वे करवाकर मुख्यमंत्री कार्यालय को भेजा जाएगा।

गोविन्दगढ़ डीवाईएसपी राजेश जांगिड़ ने बताया कि कालाडेरा रीको में लोहा ढलाई फैक्टरी हादसे में 19 मजदूर घायल हुए थे जिनमें से 8 गम्भीर रूप से घायल मजदूरों का इलाज चल रहा था जिनमें एक मजदूर की पूर्व में मौत हो चुकी थी वहीं शनिवार देर रात को 2 मजदूरों व रविवार को 1 मजदूर की मौत हो गई अभी तक 4 मजदूरों की इलाज के दौरान एस. एम. एस अस्पताल में मौत हो चुकी है। वहीं 4 मजदूरों का अभी भी एस. एम. एस अस्पताल में इलाज चल रहा है। वहीं दो मजदूरों का चौमू के निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है, बाकि 9 मजदूरों को छुट्टी दे दी गई है। तीन मृतकों के शव परिवारजनों को सौंप दिए गए हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है। वहीं चौमूं विधायक डॉ.शिखा मील बराला ने भी मृतकों के प्रति संवेदना प्रकट की है।

- पूर्व विधायक रामलाल शर्मा व गोविन्दगढ डीवाईएसपी राजेश जांगिड़ एसएमएस अस्पताल पहुंचे

वहीं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ने चौमूं उपखण्ड के कालाडेरा रिको में स्थित ओम एंटरप्राइजेज कास्टिंग फैक्ट्री में बॉयलर फटने से हुई दुर्घटना में मुख्यमंत्री आयुष्मान दुर्घटना बीमा योजना के अंतर्गत लाभ देय नहीं होने की स्थिति में मुख्यमंत्री सहायता कोष के नियमों में शिथिलता प्रधान कर अपवाद स्वरूप मृतक आश्रितों को दो लाख रूपये एवं घायलों को 50 हजार रुपये की सहायता स्वीकृत की गई है।

बंद पड़े उप स्वास्थ्य केन्द्र में लापता युवती का शव मिला

खेतड़ीनगर के राजकीय स्कूल में संविदा शिक्षक के रूप में कार्य करती थी युवती

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ीनगर थाना क्षेत्र के गोठड़ा पंचायत की बाढ की ढाणी में रविवार को एक युवती का शव मिलने से सनसनी फैल गई। युवती का शव दो साल से बंद पड़े उप स्वास्थ्य केंद्र के कमरे में पड़ा हुआ मिला।

जानकारी के अनुसार रविवार दोपहर को खेतड़ीनगर पुलिस को सूचना मिली कि बाढ की ढाणी में बने उप स्वास्थ्य केन्द्र में एक लड़की का शव पड़ा हुआ है। थानाधिकारी विजय कुमार चंदेल मय जाब्ते के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। संदिग्ध अवस्था में शव मिलने पर एफएसएल टीम को मौके पर बुलाया गया। बताया जा रहा है कि उप स्वास्थ्य केन्द्र कई दिनों से बंद पड़ा हुआ है। थानाधिकारी विजय सिंह ने बताया कि दोपहर को सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचकर मामले की जानकारी जुटाई तो सामने आया कि ढाणी की एक युवती लापता हुई थी। जिस पर जानकारी जुटाई तो सामने आया कि बाढ की ढाणी निवासी मीना (22) पुत्री रामनिवास सैनी रात को घर से लापता हो गई थी। इस दौरान परिजनों को मौके पर बुलाकर शिनाख्त करवाई तो परिजनों ने उसकी पहचान कर ली।

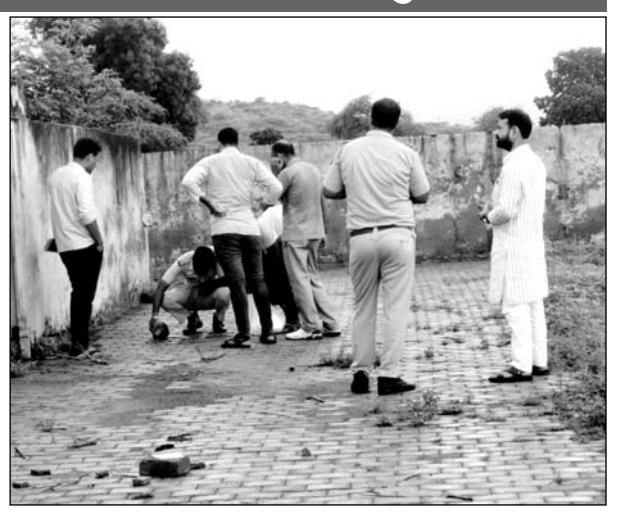

पुलिस और एफएसएल टीम को मौके पर बुलाया गया।

मृतका मीना खेतड़ीनगर के राजकीय स्कूल में संविदा शिक्षक के रूप में कार्य करती थी तथा उसके पिता रामनिवास भी मजदूरी करते हैं। मृतका का एक छोटा भाई बीए प्रथम वर्ष में पढ़ाई करता है। घटना की सूचना पर विधायक इंजीनियर धर्मपाल गुर्जर मौके पर पहुंचे तथा घटना की जानकारी ली। विधायक ने पुलिस को मामले की गहनता से जांच करते हुए त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। घटनास्थल से एफएसएल टीम द्वारा जांच के दौरान आपत्तिजनक सामान भी बरामद किया गया है। डीएसपी जुल्फीकार अली ने बताया कि प्रथमदृष्टया मामला मर्डर का होना सामने आया है, जिसको लेकर दो पुलिस टीमों का गठन कर वारदात के आरोपियों का सुराग लगाने के निर्देश दिए गए हैं। मृतका के शव को राजकीय उप जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है, परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम करवाया जाएगा।

सवा लाख रुपए की रिश्वत लेते चिकित्सा अधिकारी गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। एसीबी की राजसमंद इकाई ने रविवार को कार्रवाई करते हुए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. जुल्फिकार अहमद काजी को 1.25 लाख रुपए रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है।

एसीबी के महानिदेशक डॉ. रविप्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि एसीबी राजसमंद को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई थी, जिसमें सोनोग्राफी मशीन को सील करने, सोनोग्राफी रजिस्टर वापस लौटाने और आगे परेशान नहीं करने की एवज में आरोपी डॉ. काजी रिश्वत की मांग कर रहा था। इसके लिए परिवादी को बार-बार कार्रवाई के लिए धमकाकर परेशान किया जा रहा था।

- चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. जुल्फिकार अहमद काजी को गिरफ्तार किया
- सोनोग्राफी मशीन को सील करने, सोनोग्राफी रजिस्टर वापस लौटाने और आगे परेशान नहीं करने की एवज में रिश्वत मांगी थी

एसीबी उप महानिरीक्षक राजेन्द्र प्रसाद गोयल के सुपरविजन में एएसपी हिम्मत सिंह चारण ने शिकायत का सत्यापन किया। इस दौरान डॉ. जुल्फिकार अहमद काजी को 1.25 लाख रुपए रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्रवाई जारी है। साथ ही आरोपी से मामले में एसीबी की टीम पूछताछ कर रही है।

डॉ. जुल्फिकार अहमद काजी संयुक्त निदेशक होने के साथ उदयपुर शहर में पीसीपीएनडीटी के समुचित प्राधिकारी अधिकारी भी थे। ऐसे में इनके पास सभी निजी मेडिकल कॉलेज, बड़े हॉस्पिटल्स और सोनोग्राफी सेंटर को लाइसेंस देने, उनका रिन्यूअल और मॉनिटरिंग का जिम्मा था। जहां इनके खिलाफ शिकायतें मिलती रहह। इसके अलावा इनके खिलाफ जिले की कई प्रमुख जांच को लंबित रखने के भी आरोप लगते रहे हैं। वर्ष 2019 में डॉ. जुल्फिकार को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में संयुक्त निदेशक बनाया था। फरवरी 2024 में सरकार ने उन्हें हटाकर डॉ. प्रकाश चन्द्र को संयुक्त निदेशक बना दिया था। इसके विरोध में डॉ. जुल्फिकार हाईकोर्ट से स्टे लेकर वापस पद पर बने रहे। ऐसे में राज्य सरकार ने हाल ही स्टे का निस्तारण करते हुए डॉ. प्रकाश चन्द्र को एपीओ कर दिया। इस पर डॉ. जुल्फिकार अपने पद पर बने रहे।

रिश्वतखोर चीफ मैनेजर, वरिष्ठ सहायक, सीए सहित चार को जेल

एसीबी ने एक लाख रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया था

अजमेर, (कासं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने टोंक जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक सुल्तान सिंह मीणा, वरिष्ठ सहायक अजय कुमार खंडेलवाल, सीएम जयंतीराज जैन और रिश्वत देने वाले अनुज जैन को अजमेर की एसीबी कोर्ट में पेश किया, जहां से न्यायाधीश ने चारों को जेल भेजने के आदेश दिए।

भीलवाड़ा एसीबी के डीएसपी पारसमल ने बताया कि टोंक जिला उद्योग केंद्र में भ्रष्टाचार की लगातार शिकायतें मिल रही थी। जयपुर, भीलवाड़ा व टोंक की संयुक्त टीम ने गत शुक्रवार को कार्रवाई करते हुए चारों आरोपियों को गिरफ्तार किया था, जिन्हें शनिवार देर रात अजमेर एसीबी कोर्ट में पेश किया गया, जहां न्यायाधीश ने जेल भेजने के आदेश दिए। रविवार सुबह चारों आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया। उन्होंने बताया कि एसीबी टीम द्वारा जांच की गई, जांच में मामला सही पाए जाने पर कार्यवाही अंजाम दी थी। उन्होंने बताया कि आरोपियों द्वारा सरकार की सीएम लघु उद्योग प्रोत्साहन योजना, एमएसएमई योजना सहित अन्य योजनाओं में ऑनलाइन आवेदन करने वालों से फाइल स्वीकृति के नाम पर रिश्वत की डिमांड की जाती। टोंक जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक सुल्तान सिंह मीणा ने आवेदन पत्रों की जांच का काम वरिष्ठ सहयक अजय कुमार खंडेलवाल को सौंप रखा था। जबकि खंडेलवाल का मार्च 2024 में बूंदी तबादला हो गया था, लेकिन वह मीणा के निर्देश पर ही काम रहा था। उन्होंने बताया कि यदि कोई आवदेन कर्ता रिश्वत राशि देने में इंकार करता तो उसकी फाइल में दस्तावेज पूरा नहीं होने की कमी बताकर रद्द कर दिया जाता, सभी फाइल सीए जयंतीराज जैन ही देखता था।

एसीबी अधिकारी ने बताया कि आरोपियों द्वारा निवाई की एबीसी रिसोर्ट के तीन करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट पास करने की एवज में डेढ़ लाख की रिश्वत मांगी गई थी। रिसोर्ट के एक तिहाई हिस्सेदार अनुज जैन ने मीणा के सिविल लाइन स्थित आवास पर रिश्वत दी थी। एसीबी ने अजय कुमार खंडेलवाल को भी आरोपी बनाया था। एसीबी टीम को खंडेलवाल के आवास की तलाशी के दौरान घर से 20 लाख रुपए नकद मिले थे।

नौ लाख की अफीम जब्त, दो गिरफ्तार

चूरू, (कासं.)। सरदारशहर थाना क्षेत्र में पुलिस ने 9 लाख रुपए की अवैध अफीम जब्त करके 2 तस्करों को गिरफ्तार किया है। यहां जिला पुलिस अधीक्षक जय यादव आईपीएस ने बताया कि अवैध गतिविधिओं की रोकथाम व अवैध मादक पदार्थों की धरपकड़ हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत रोही खिलेरिया मेघा हाईवे रोड सरदारशहर से रतनगढ पर दौराने नाकाबंदी एक कार को रोककर चैक किया तो कार में दो व्यक्ति सवार थे, जिनके पास 1 किलो 873 ग्राम अवैध अफीम मिली। कार चालक आरोपी नानकसिंह पुत्र जीतसिंह निवासी दलमीर खेडा पुलिस थाना खुइया सरवर तहसील अबोहर जिला फाजिल्का पंजाब व गौरव नागपाल पुत्र दौलतराम निवासी बसंत नगर पुलिस थाना अबोहर जिला फाजिल्का पंजाब को गिरफ्तार कर लिया।

सारस्वत महिला संस्थान चित्तौड़गढ़ ने लहरिया महोत्सव मनाया

जयपुर/ चितौड़गढ़। सारस्वत महिला संस्थान चित्तौड़गढ़ के तत्वाधान में अनंत रिसोर्ट, चितौड़गढ़ में रंगारंग और मनभावक लहरिया महोत्सव का आयोजन किया गया। अंतरराज्य स्तरीय लहरिया महोत्सव में जयपुर अजमेर, भीलवाड़ा, नीमच, मनासा, उदयपुर, कोटा, कनेरा, चित्तौड़गढ़ सहित एक दर्ज़न जिलों की टीमों ने भाग लिया।

महोत्सव का शुभारंभ नगर परिषद सभापति संदीप शर्मा ने दीप प्रज्वलन कर किया। मुख्य अतिथि के रूप में रतलाम से पुष्पा व्यास, नगर पालिका अध्यक्ष बेग रंजना शर्मा उपस्थित थी। कार्यक्रम का संचालन प्रिया शर्मा, सोनाली ओझा एवं ज्योति ओझा द्वारा किया गया। महिला संस्थान चितौड़गढ़ सचिव निशा सारस्वत ने मुख्य अतिथि, निर्णायक एवं सभी टीमों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। निर्णायक की भूमिका में परिधि भटनागर

सारस्वत महिला संस्थान चित्तौड़गढ़ के तत्वावधान में लहरिया महोत्सव का आयोजन किया गया।

उपस्थित थी। साधना सारस्वत अध्यक्ष सारस्वत महिला संस्थान चितौड़गढ़ में समाज की सभी महिलाओं को मृत्यु के समय दिया जाने वाला लेनदेन बंद करने की शपथ दिलाई। सभी टीमों ने गीत, संगीत और नृत्य के साथ अपना टैलेंट शोकेस किया। प्रतिभागियों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति देकर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में सभी बहनें लहरिया परिधान में सुसज्जित होकर आयोजन में शामिल हुई। रंग-बिरंगे लहरिये के परिधानों से सजी महिलाओं ने सावन के गीतों पर जमकर नृत्य किया।

- महोत्सव में जयपुर अजमेर, भीलवाड़ा, नीमच, मनासा, उदयपुर, कोटा, कनेरा, चित्तौड़गढ़ सहित एक दर्ज़न जिलों की टीमों ने भाग लिया

महोत्सव में कई प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया। चित्तौड़गढ़ से सरोज ओझा, खुशबू व्यास, खुशबू ओझा ,रजनी व्यास एवं कमला ओझा ने कान्हा और गोपियों का रूप धारण कर मनमोहक स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया। सभी टीमों ने सावन थीम पर अपनी प्रस्तुति दी। जयपुर की टीम ने अपनी प्रस्तुति में सामाजिक कुरीतियों को मिटाने एवं पर्यावरण बचाने का संदेश दिया। सारस्वत महिला संस्थान चितौड़गढ़ की कार्यकारिणी ने नारी सशक्तिकरण थीम पर अपनी प्रस्तुति दी। प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान क्रमशः जयपुर भीलवाड़ा एवं कोटा की टीम ने प्राप्त किया।

सारस्वत महिला संस्थान की अध्यक्ष साधना सारस्वत ने बताया कि राजस्थानी संस्कृति और परंपरा वर्षों से चली आ रही है। आज की पीढ़ी ऐसे कार्यक्रमों से दूर हो रही है। युवाओं को ऐसे कार्यक्रम से जोड़ने के लिए लहरिया महोत्सव का आयोजन किया जाता है। उन्होंने बताया कि हर साल सावन में संस्था की ओर से लहरिया महोत्सव का आयोजन किया जाता है। सारस्वत महिला संस्थान कार्यकारिणी के सभी सदस्यों ने अपनी मेजबानी में कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु अपनी महत्वपूर्ण भूमिका बखूबी निभाई।

ठगी के आरोपी कोर्ट में पेश

अजमेर, (कासं)। अजमेर में फर्जी कॉल सेंटरों के माध्यम से देशी व विदेशी नगारिकों से ऑनलाइन ठगी करने वाले सभी आरोपियों को रविवार को गंज पुलिस ने अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें दो दिन की पुलिस रिमांड पर लिया गया। पुलिस मास्टरमाइंड सहित सभी आरोपियों से पूछताछ करेगी। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। गंज थाना प्रभारी महावीर सिंह ने बताया कि थाना क्षेत्र में फर्जी कॉल सेंटर संचालित कर देशी-विदेशी नगारिकों से ऑनलाइन ठगी करने वाले 18 आरोपियों को रविवार को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायाधीश ने 2 दिन के रिमांड पर पुलिस को सौंप दिया। थाना प्रभारी ने महावीर सिंह ने बताया कि आरोपियों द्वारा विगत दिनों ही अजमेर में कॉल सेंटर संचालित कर काम शुरू किया था।

'गौसेवा व संतों के आशीर्वाद से ही जनता की सेवा का मौका मिला'

नंदगांव में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने गौऋषि स्वामी दत्तशरणानन्द और सुरजकुंड के महाराज के दर्शन कर आशीर्वाद लिया।

जालोर, (निसं)। श्रीगोधाम महातीर्थ पथमेड़ा की शाखा श्री मनोरमा गोलोक नंदगांव केसुआं में चल रहे श्री गोकरुणा चातुर्मास आराधना महोत्सव में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड, राज्यमंत्री ओटाराम देवासी एवं सांसद लुंबाराम चौधरी नंदगांव पहुंचे। वहां उन्होंने गोऋषि स्वामी दत्तशरणानन्द और सुरजकुंड के महाराज सहित नंदगांव परिसर में चातुर्मास कर रहे सैंकड़ों संतों का आशीर्वाद लिया।

समन्वयक कार्यालय में प्रदेशाध्यक्ष राठौड ने आंध्रप्रदेश के ओंगोल से पधारी पुंगनुर नस्ल की वेदलक्षणा गौमाता के दर्शन कर गौपूजन किया। इसके बाद प्रदेशाध्यक्ष राठौड़ ने वेदलक्षणा गोमहिमा श्रीभरत चरित्र कथा में पहुंचकर पोथी पूजाकर मलूक पीठाधीश्वर महाराज से आशीर्वाद लिया। नंदगांव परिक्रमा के बाद उन्होंने कहा कि गौसेवा और संतों के आशीर्वाद से ही मुझे प्रदेश की जनता की सेवा करने का मौका मिला है। मेरा प्रयास रहेगा कि पार्टी और जनता की उम्मीद पर में खरा उतरू। राज्यमंत्री ओटाराम देवासी ने कहा कि गौ सेवा के बीच में मेरा जीवन बीता है और पथमेड़ा, नंदगांव के गौ सेवा के इस प्रकल्प को देखकर मैं बहुत ही प्रभावित हूं। इस अवसर पर गोवत्स विठ्ठल कृष्ण महाराज, संस्था के अध्यक्ष प्रदीप बंसल, महामंत्री अर्जुन सिंह तिवरी सहित संस्था के पदाधिकारी मौजूद रहे।

बीसलपुर से टोडारायसिंह पहुंची कांवड़ यात्रा को केकड़ी प्रशासन ने रोका, धरने पर बैठे कांवड़िये

एक घंटे तक धरना व वार्ताओं का दौर चला, कांवड़ियों की मांग व जनभावनाओं के आगे झुका प्रशासन

मालपुरा, (निसं)। शिव कांवड़ यात्रा समिति के तत्वावधान में रविवार को करीब आठ सौ से अधिक संख्या में केदारनाथ मंदिर से बीसलपुर पहुंचे समिति द्वारा रजिस्टर्ड कांवड़ियों के जत्थे गोकर्णेश्वर महादेव बीसलपुर से पवित्र कांवड़ लेकर टोडारायसिंह पहुंचे तो शहर में मौजूद केकड़ी प्रशासन ने कांवड़ियों के जत्थे को मुख्य बाजार से होकर गुजरने से रोक दिया। प्रशासन के इस निर्णय से गुस्सायें कांवड़िये पवित्र कांवड़ को सिर पर लेकर बीसलपुर रोड पर शंकराचार्य सर्किल पर धरने पर बैठ गये।

कांवड़ियों ने केकड़ी प्रशासन पर धार्मिक व जनभावनाओं से खिलवाड़ करने तथा मालपुरा उपखण्ड मजिस्ट्रेट द्वारा चार साल बाद परम्परागत मार्ग से कांवड़ यात्रा निकालने की दी अनुमति के बावजूद कांवड़ियों को रोके जाने पर प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी शुरू कर दी। मौके पर मौजूद केकडी पुलिस अधीक्षक विनित

टोडारायसिंह कस्बे में एक घंटे तक कांवड़ियों ने धरना देकर प्रदर्शन किया।

बंसल, टोडारायसिंह एसडीएम दिनेश कुमार, एडीएम व डीवाईएसपी हर्षित कुमार ने कांवड़ियों से समझाईश का प्रयास किया। लेकिन कांवड़िये प्रशासनिक स्वीकृति के मार्ग से ही होकर गुजरने की अपनी मांग पर अड़े रहे। कांवड़ियों के समर्थन में धरना स्थल पर बढ़ती लोगों की भीड़ व प्रदर्शन को गंभीरता से लेते हुये मौजूद अधिकारियों ने केकड़ी जिला कलेक्टर श्वेता चौहान को मामले से अवगत करवाया। एसपी बंसल का कहना था कि केकड़ी जिले से होकर गुजरने वाली यात्रा को प्रशासनिक स्वीकृति केकड़ी जिला प्रशासन से लेनी थी। टोंक जिला व मालपुरा उपखण्ड प्रशासन की स्वीकृति को हम कैसे स्वीकार करें। जिस मार्ग से कांवड़िये गुजरने की मांग कर रहे हैं उस मार्ग से हम स्वीकृति नहीं दे सकते। कांवड़ियों के बढ़ते आक्रोश के बाद जनभावनाओं को देखते हुये केकडी कलेक्टर श्वेता चौहान ने कांवड़ियों की मांग को स्वीकार मुख्य बाजार, माणक चौक,आमा सागर होते हुये मालपुरा रोड पर आने की स्वीकृति जारी की।

- मालपुरा शहर बना पुलिस छावनी, कांवड़ियों के पहुंचने से एक दिन पूर्व ही शहर के मुख्य रास्ते व गलियों में बैरीकेटिंग से व्यापारी व आमजन में रोष
- कांवड़ कोरीडोर मार्ग में एक हजार से अधिक अधिकारी व जवानों का जाप्ता तैनात किया गया है

आज शाम चार बजे मालपुरा पहुंचने वाली आठवीं कांवड़ यात्रा को चार साल पूर्व बंद किये गये परम्परागत मार्ग दूदू-छाण स्टेट हाईवे से ही मालपुरा शहर में प्रवेश को लेकर मालपुरा शहर को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया। कांवड़ कोरीडोर मार्ग में एक हजार से अधिक अधिकारी व जवानों का जाप्ता तैनात किया गया है। उक्त मार्ग में आकर मिलने वाले मुख्य रास्तों पर प्रशासन ने बैरीकेटिंग से लॉक कर दिया। जिला कलेक्टर सौम्या झां व एसपी संजीव नैन ने रविवार को मालपुरा पहुंच व्यवस्थाओं का जायजा ले कांवड़ यात्रा की कमान संभाली।